IJNRD.ORG ISSN : 2456-4184
INTERNATIONAL JOURNAL OF NOVEL RESEARCH AND DEVELOPMENT (IJNRD) | IJNRD.ORG
An International Open Access, Peer-reviewed, Refereed Journal

कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय एवं परिषदीय उच्च प्राथमिक विद्यालय में अध्ययनरत् बालिकाओं के मानसिक स्वास्थ्य, रुचि का तुलनात्मक अध्ययन

Manju Lata,Mahendra Kumar Singh
Lecturer, Deputy Director of Education/ Principal
District Institute of Education and Training

सारांश

विद्यार्थी शिक्षा प्राप्ति हेतु आवासीय अथवा गैर-आवासीय विद्यालय में प्रवेश लेता है। शिक्षा बालक का शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक विकास करते हुये इनकी योग्यताओं रुचियों क्षमताओं को वाह्य दिशा की ओर अग्रेषित करती है, प्रस्तुत शोध में आवासीय व गैर आवासीय विद्यार्थियों की रूचि एवं मानसिक स्वास्थ्य सम्बधी शैक्षिक उपलब्धि की तुलना जानने हेतु शोध कार्य को कक्षा-8 के 200 विद्यार्थियों पर किया गया। तुलना करने पर कई बिन्दुओं का विश्लेषण किया गया तथा शोध प्रक्रिया में वर्णनात्मक विधि की सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया, एवं शोधार्थी ने जनपद पीलीभीत के 08 विकास खण्डों से यादृच्छिक गुच्छ न्यादर्श विधि से उच्च प्राथमिक विद्यालय एवं कस्तूरबा गाँधी आवासीय बालिका विद्यालयों में प्रत्येक विकास खण्ड से एक एक विद्यालय में से स्तरीकृत सम्भाव्य, न्यादर्श विधि द्वारा कुल 100-100 विद्यार्थियों का चयन यादृच्छिक विधि द्वारा न्यादर्श का चयन किया। शोधार्थी ने प्रश्नावली का प्रयोग रूचि एवं मानसिक स्वास्थ्य सम्बन्धी उपलब्धि जानने हेतु किया गया स्वनिर्मित उपकरण का प्रयोग करते हुए प्रदत्तों का संकलन प्रदत्तो का विश्लेषण टी-परीक्षण द्वारा किया गया। प्राप्त परिणामों से प्रदर्शित हुआ कि कस्तूरबा गाँधी आवासीय बालिका विद्यालय एवं उच्च प्राथमिक विद्यालय के विद्यार्थियों में रूचि एवं मानसिक स्वास्थ्य सम्बन्धी उपलब्धि में कोई सार्थक अन्तर नहीं पाया गया।

कूटशब्दावली :- कस्तूरबा गाँधी आवासीय बालिका विद्यालय, उच्च प्राथमिक विद्यालय ।

प्रस्तावना :-

देश की प्रगति एवं संस्कृति की सम्पन्नता इस तथ्य पर निर्भर करती है कि इस देश के लोगों की शिक्षा का स्तर क्या है ? साक्षरता और शिक्षा की वृद्धि के कारण ही कोई देश विकास की चरम सीमा पर पहुँचाता है | इसीलिए मानव विकास की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि में आदिकाल से ही शिक्षा का विविध भाँति से प्रचार होता रहा है |

प्रत्येक देश अपनी सामाजिक संस्कृति अस्मिता को अभिव्यक्त करने और विकसित करने के लिए अपनी शिक्षा प्रणाली को विकसित करता रहा है | किसी भी राष्ट्र अथवा क्षेत्र के सामाजिक आर्थिक व सांस्कृतिक विकास में वहां के मानव संसाधन का योगदान महत्वपूर्ण होता है | जिस राष्ट्र का मानव संसाधन जितना अधिक शिक्षित होगा वह राष्ट्र उतना ही अधिक विकसित एवं प्रगतिशील होगा |

शिक्षा को सामाजिक विकास के साथ-साथ व्यक्ति के सम्पूर्ण विकास हेतु सशक्त साधन माना जाता है | किसी भी देश के समग्र विकास के लिए यह आवश्यक है कि उसे समाज के स्त्री एवं पुरुष दोनों को शैक्षिक विकास के समान अवसर प्राप्त हो |

संसार में कोई भी व्यक्ति ऐसा नहीं है जिससे सब सुख हों | किसी बात का अभाव न हो | सारी परिस्थितियां मनोनुकूल ही हो, कोई कष्ट ना हो | कभी असफलता ना मिले | कोई जिसका विरोधी ना हो | ऐसा व्यक्ति इस धरती पर ढूंढे ना मिलेगा | यह जहां अनेक सुख साधन भगवान के मनुष्य को दिए हो | वहां कुछ कुछ आवाज भी रखे हैं | विवेकशील व्यक्ति उपलब्ध सुख साधनों का अधिक चिंतन करते हैं और उन उपलब्धियों पर संतोष करते हुए प्रसन्न रहते हैं | इसके विपरीत लोग उपलब्ध साधनों को तुच्छ मानते हैं, उन्हें पर्वत तुल्य मानकर अपने आप को भारी विपत्ति ग्रस्त मानकर निरंतर असंतुष्ट रहते हैं, और अन्य लोगों पर दोषारोपण करते हैं ऐसे लोगों की अधिकांश मानसिक स्थिति शक्ति हीन हो जाती है | लेकिन दृष्टिकोण में थोड़ा सा परिवर्तन होने पर हम खिन्न एवं संतुष्ट जीवन को संतोष में परिणित कर लेते हैं |

यह सब सिर्फ शिक्षा से ही हो पता है शिक्षा मस्तिष्क को विकसित करती है |

कस्तूरबा गांधी विद्यालय -

वर्ष 2009-10 में मार्गदर्शिका तैयार कर समस्त कस्तूरबा गाँधी आवासीय बालिका विद्यालय तथा जिलों में उपलब्ध करवाई गई है । मार्गदर्शिका में कस्तूरबा गाँधी आवासीय बालिका विद्यालय से संबंधित समस्त सूचनायें, बजट तथा अन्य प्रावधान विस्तृत रूप से दिए गए हैं ।

वर्ष 2009-10 में दिए गए आदेशों में आशिक / पूर्ण संशोधन किया गया है तथा कतिपय नवीन आदेशों / सूचना जोड़ी जा रही है ।

राज्य सरकार द्वारा कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय के दो मॉडल स्वीकृत हैं ।

कस्तूरबा गाँधी आवासीय बालिका विद्यालय में प्रवेश हेतु पात्रता –

- दिनांक 1 अप्रैल 2010 में संपूर्ण राष्ट्र में शिक्षा का अधिकार अधिनियम लागू हो चुका है। इसके अनुसार कोई भी बालक बालिका शिक्षा से वंचित नहीं रहना चाहिए।
- दिनांक 17/5/ 2010 से 21/6/2010 तक सभी जिलों में ब्लॉक बार ड्रॉप आउट बालिकाओं को चिन्हिकरण किया गया था अतः चिन्हित Never Enrolled & Dropout पात्र बालिकाओं को प्राथमिकता से बालिकाओं को कस्तूरबा गाँधी आवासीय बालिका विद्यालय में प्रवेश दिया जाना है। इस हेतु बालिका के पूर्व में प्राप्त शिक्षा से संबंधित किसी भी दस्तावेज / रिकॉर्ड की आवश्यकता नहीं होगी ।
- कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय के भवन में जहां 100 बालिकाओं के लिए 4 से 6 बड़े कमरे , एक रसोईघर एवं पर्याप्त शौचालय व्यवस्था उपलब्ध है।
- कस्तूरबा गाँधी आवासीय बालिका विद्यालय में बालिकाओं के लिए पर्याप्त स्टाफ उपलब्ध होता है। बालिकाओं की सभी प्रकार की मूल एवं शैक्षिक आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर इस विद्यालय को स्थापित किया गया।
- विद्यालयों में पूर्ण कालिक एवं अंशकालिक शिक्षाओं एवं 1 वार्डन युक्त की गई है ताकि ग्रामीण परिवेश की इन दुर दराज एवं आर्थिक स्तर में कमजोर बालिकाओं की शिक्षा में कोई अवरोध न आए।

परिषदीय विद्यालय -

- इस क्रम में परिषदीय विद्यालय में भी बालक बालिकाओं को शिक्षा का मौका मिले। सरकार ने राष्ट्र के प्रत्येक जिले के शहर एवं ग्रामीण सभी स्थानों में सरकारी विद्यालय स्थापित किए एवं निशुल्क शिक्षा प्रदान करने का बीड़ा उठाया जो आज सफल है।
- परिषदीय बालक बालिकाओं को स्कूल यूनिफॉर्म दिनवार पौष्टिक आहार की योजना चलाई एवं सभी शिक्षकों को स्कूलों में तैनाती दी , ताकि कोई भी विद्यालय शिक्षक विहीन ना हो।
- सभी बालकों का समय-समय पर परीक्षण भी कराया जाता है अगर किसी बालक की कोई समस्या हो वह उसका निदान भी किया जाए।
- सरकार द्वारा कई योजना द्वारा शिक्षा का विकास शीघ्र गति से हो रहा है।

मानसिक स्वास्थ्य -

मानसिक स्वास्थ्य को परिभाषित करते हुए मनोवैज्ञानिक इरिक्स (1936) : रोजर (1969):हरलॉक(1972) द्वारा यह स्पष्ट किया गया कि मानसिक रूप से स्वस्थ व्यक्ति समग्र रूप से संसार के प्रति वांछनीय दृष्टिकोण का समांगी संगठन स्वास्थ्य मूल्यों तथा वैज्ञानिक प्रत्यक्षीकरण को प्रदर्शित करता है। स्ट्रेजर (1965) ने मानसिक स्वास्थ्य को स्पष्ट करते हुए बताया है कि "मानसिक स्वास्थ्य एक सीखे हुए व्यवहार के बाद के वर्णन के अतिरिक्त और कुछ नहीं है। जो सामाजिक रूप से समायोजी होता है, और जो व्यक्ति को जिंदगी के साथ पर्याप्त रूप में अनुकूलन में मदद करता है।"

रुचि-

रुचि किसी क्रिया वस्तु या व्यक्ति पर ध्यान देने , द्वारा आकर्षित होने , उसे पसंद करने तथा उससे संतुष्टि पाने के प्रवृत्ति को रुचि के रूप में गिलफोर्ड (1967) में परिभाषित किया।

इवान के अनुसार (1978) रुचि " किसी खास समस्या या परिस्थिति में ध्यान दिए रहना ही रुचि है।"

<u>कूटशब्दावली का परिभाषीकरण :</u>

- **कस्तूरबा गाँधी आवासीय बालिका विद्यालय** - भारत सरकार द्वारा अगस्त 2004 में उच्च प्राथमिक स्तर पर आवासीय विद्यालयों की स्थापना के लिए शुरू किये गये है जिसमे कक्षा-6 में सामान्य ड्राप आउट, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग और अल्पसंख्यक वालिकाओं का निशुल्क प्रवेश होता है।
- **परिषदीय उच्च प्राथमिक विद्यालय** - शासन द्वारा संचालित वह विद्यालय जो कक्षा-6 से 8 तक के विद्यार्थियो को शिक्षा प्रदान करते हैं।

<u>शोध के उद्देश्य :-</u>

परिकल्पना :-

कस्तूरबा गाँधी आवासीय विद्यालयों एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों मे अध्ययनरत् विद्यार्थियों में रुचि एवं मानसिक स्वास्थय सम्बन्धी उपलब्धि में सार्थक अन्तर नही है।

शोध सीमांकन :-

- प्रस्तुत शोध कार्य पीलीभीत जिले के विकास खण्डों में संचालित कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालयों में अध्ययनरत् बालिकाओं तक ही सीमित किया गया है ।
- प्रस्तुत शोध कार्य पीलीभीत जिले के विकास खण्ड में संचालित उच्च प्राथमिक विद्यालयो में अध्ययनरत् बालिकाओ तक ही सीमित किया गया है।
- प्रस्तुत शोध कार्य केवल कक्षा-8 में पढ़ने वाले विद्यार्थियों तक ही सीमित है।

<u>शोध प्रक्रिया :-</u>

शोध विधि –

इस अध्ययन में वर्णनात्मक विधि की सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया है।

न्यादर्श, चयन विधि –

प्रस्तुत अध्ययन में जिला पीलीभीत के 08 विकास खण्डों का यादृच्छिक गुच्छ संभावित प्रतिचयन विधि से किया गया। तत्पश्चात इन्ही विकास क्षेत्रों में से परिषदीय उच्च प्राथमिक विद्यालय तथा कस्तूरबा गाँधी आवासीय बालिका विद्यालयों का चयन स्तरीकृत संभावित विधि द्वारा किया गया इन्ही विद्यालयो में से 200 विद्यार्थियों का चयन क्रमबद्ध प्रतिचयन विधि द्वारा किया गया है।

उपकरण :-

शोधकर्ता द्वारा स्वनिर्मित प्रश्नावली का प्रयोग किया गया है।

सांख्यिकी विश्लेषण :-

प्रस्तुत शोध में सांख्यिकी विश्लेषण हेतु मध्यमान, मानक विचलन, टी-टेस्ट की गणना से की गई।

परिकल्पना :-

कस्तूरबा गाँधी आवासीय विद्यालयों एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों में मानसिक स्वास्थ्य एवं रुचि सम्बन्धी उपलब्धि में सार्थक अन्तर नहीं है।

प्रदत्त विश्लेषण व व्याख्या :-

क्र.स.	विद्यालय	छात्र संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	t - मान	परिणाम
1	क.गा.आ.बा. वि.	100	M1 15	1.55	1.29	सार्थक अंतर नहीं पाया गया
2	उ. प्रा. वि.	100	M2 13			

उपरोक्त तालिका में दर्शाये गये विवरणानुसार आवासीय एवं गैर आवासीय दोनो समूहों का सांख्यिकी गणनानुसार मानक विचलन 1.55 पाया गया एवं t- मान 1.29 पाया गया।

चूंकि df (198) से सम्बन्धित 0.05 के सार्थकता स्तर पर अंकित मान (1.97) से प्राप्त t- मान 1.29 कम है।

इस प्रकार दोनो समूहों के विद्यार्थियो की शैक्षिक उपलब्धि के आधार पर सार्थक अन्तर नहीं पाया गया, अतः परिकल्पना स्वीकृत की जाती है।

निष्कर्ष :-

प्रस्तुत शोध हेतु संकलित आकड़ो के साख्यिकी विश्लेषण से निम्नलिखित प्राप्त हुये -

- मानसिक स्वास्थ्य एवं रूचि के प्रति दोनों स्तर के विद्याथियों का दृष्टिकोण समान है।
- दोनो समूहो के विद्यार्थियो की सोच एवं आदत एवं शैक्षिक उपलब्धि में सहसंबंध मध्यम स्तर का पाया।
- दोनो समूहों के विद्यार्थियो का रुचि एवं स्वास्थ्य के प्रति दृष्टिकोण समान स्तर का पाया गया।

सुझाव :-

- व्यक्तित्व विकास को ध्यान में रखते हुए रूचि से सम्बन्धित क्रियाकलापो को बढ़ावा देना।
- समय समय पर बालिकाओ का स्वास्थ्य परिक्षण करवाना।
- विद्यालयों में परामर्श सेवाओं को उपलब्ध करवाना।

आभार :-

प्रस्तुत शोध अध्ययन को राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, लखनऊ, उत्तर प्रदेश की वित्तीय सहायता के माध्यम से श्री दरवेश कुमार वरिष्ठ प्रवक्ता जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, बीसलपुर, पीलीभीत के मार्गदर्शन में सम्पन्न किया गया है।

International Research Journal
IJNRD
Research Through Innovation